

युवा नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़े

वाराणसी। भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भूमिका एवं आत्मनिर्भर भारत की प्रासंगिकता महत्वपूर्ण है। बीएचयू के वाणिज्य संकाय में आयोजित व्याख्यान में गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका के डरबन विवि के प्रो. रवींद्र रैना ने ये बातें कहीं।

‘वाणिज्य शिक्षा और शोध’ विषय पर व्याख्यान में प्रो. रैना ने शिक्षाविदों को ऐसी पुस्तकें लिखने की सलाह दी, जिन्हें हर वर्ग समझ सके। उन्होंने युवा पीढ़ी को शोध और शिक्षा में नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया। वाणिज्य संकाय प्रमुख प्रो. हरेन्द्र सिंह ने स्वागत किया। दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्रो. आरके सिंह ने विचार रखे। इस दौरान प्रो. धनंजय साहू, डॉ. लालबाबू रहे।

एनपीई लागू कराने में मार्गदर्शक बनेगा बीएचयू

संतोष शर्मा • जागरण

अलीगढ़ : देशभर के सरकारी विश्वविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू कराने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने 83 शैक्षिक संस्थानों को जिम्मेदारी दी है।

उत्तर प्रदेश में यह काम अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एमयू) सहित सात संस्थान करेंगे। एएमयू को राजा महेंद्र प्रताप यूनिवर्सिटी अलीगढ़, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, डा. बीआर आंबेडकर यूनिवर्सिटी, आगरा, चौ. चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ,

गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा व पंडित दीनदयाल उपाध्याय वेटेरिनरी यूनिवर्सिटी एंड गऊ अनुसंधान संस्थान, मथुरा की जिम्मेदारी मिली है। एएमयू ने इस पर काम शुरू कर दिया है।

जिन यूनिवर्सिटी को जिम्मेदारी दी गई है, उन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के 25 प्रमुख बिंदुओं पर काम करना है। संबंधित यूनिवर्सिटी के साथ शिक्षा, खेल, संस्कृति आदि बिंदुओं पर बैठक करेंगे। वर्कशाप में बताया जाएगा कि छात्रों को समग्र व बहुविषयक शिक्षा देने के साथ उनकी

पहुंच उच्च शिक्षा तक हो। समानता और समावेशी शिक्षा मिले। शिक्षा में अधिक संवेदनशीलता के अलावा मूल्यांकन में सुधार किया जाए। नई शिक्षा नीति में शोध और नवाचार पर भी अधिक जोर दिया गया है।

डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से छात्रों को पठन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। पैसे के अभाव में अगर कोई छात्र किताब खरीदने में सक्षम नहीं होता है तो वह आनलाइन सामग्री का इस्तेमाल कर सके। नई शिक्षा नीति में व्यावसायिक पर अधिक जोर दिया गया है।

वाणिज्य शिक्षा में नवाचार पर ध्यान देने की जरूरत

वाराणसी। बीएचयू के वाणिज्य संकाय में आयोजित व्याख्यान में वक्ताओं ने शिक्षा के साथ-साथ शोध पर विस्तार से चर्चा की। मुख्य वक्ता डरबन विश्वविद्यालय दक्षिण अफ्रीका के प्रो. रवींद्र रैना ने कहा कि युवाओं को शोध और वाणिज्य शिक्षा में नवाचार पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। वाणिज्य शिक्षा और शोध विषय पर प्रो. रवींद्र ने कहा कि भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भूमिका अहम है। विभागाध्यक्ष प्रो. हरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि भारत का मौलिक ज्ञान भारतीय भाषाओं में निहित है जिन्हें पुस्तकों में भी लाना आज की आवश्यकता है। ब्यूरो

भारतीय ज्ञान प्रणाली की बदौलत भारत बनेगा विश्वगुरु : प्रो. हरेन्द्र कुमार

वाराणसी (एसएनबी)। भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भूमिका एवं आत्मनिर्भर भारत की प्रासंगिकता महत्वपूर्ण है। उक्त उद्गार प्रो. रवींद्र रेना ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के वाणिज्य संकाय में वाणिज्य शिक्षा और शोध विषय पर आयोजित एक दिवसीय व्याख्यान में व्यक्त किया।



काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय में वाणिज्य शिक्षा और शोध विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसे बतौर मुख्य वक्ता डरबन विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका के प्रो. रवींद्र रेना ने संबोधित किया। उन्होंने शिक्षाविदों को ऐसी पुस्तकें लिखने और प्रकाशित करने की सलाह दी, जिन्हें समाज के हर वर्ग द्वारा समझा जा सके। उन्होंने युवा पीढ़ी को शोध और शिक्षा में नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया। तदोपरान्त काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष प्रो. हरेन्द्र कुमार सिंह ने अतिथिगण को पुष्प गुच्छ व अंगवस्त्रम भेंट

शोध में नवाचार के लिए किया
प्रोत्साहित : प्रो. रवींद्र रेना

शोध में नया आयाम लायेगा
2025 : प्रो. आरके. सिंह

बीएचयू के वाणिज्य संकाय में
एक दिवसीय व्याख्यान का भव्य
आयोजन

कर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भारत का मौलिक ज्ञान भारतीय भाषाओं में निहित है जिन्हें पुस्तकों में भी लाना आज की आवश्यकता है। नई शिक्षा पद्धति पर

आधारित पाठ्यक्रम को लागू करने के साथ साथ भारतीय ज्ञान प्रणाली को लागू करने की अनुशंसा की। इन्हीं पदचिन्हों पर चलकर भारत विश्व गुरु बनेगा। प्रो. आरके सिंह, दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स, दिल्ली यूनिवर्सिटी ने रिसर्च के नये अवसरों के बारे में चर्चा किया और भविष्य में भारत के महत्व के बारे में प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शोध पत्र लेखन के लिये प्रोत्साहित किया। कार्यशाला में प्रो धनंजय साहू, डॉ लाल बाबू जयसवाल, डॉ मीनाक्षी सिंह, डॉ आलोक, डॉ सूर्या, डॉ पल्लवी, डॉ शान्तनु सौरभ व शोधार्थी मौजूद रहे।

बीएचयू में शुरू होंगी 14 छात्रवृत्ति इनमें 2 पं. रेवा प्रसाद के नाम पर परीक्षा में मिले अंक के आधार पर किया जाएगा चयन

माई सिटी रिपोर्टर

बीएचयू में आज होगी एकेडमिक काउंसिल की बैठक

वाराणसी। बीएचयू और सेंट्रल हिंदू स्कूल के गरीब मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए 14 स्कॉलरशिप की शुरुआत की जाएगी। स्कॉलरशिप के लिए परीक्षा में मिले मार्क्स की मेरिट के आधार पर छात्र-छात्राओं का चयन किया जाएगा। कुल चार संकायों और सात विभागों के साथ ही दो स्कूलों में ये स्कॉलरशिप अगले सत्र से शुरू हो जाएगी।

इन 14 स्कॉलरशिप में काशी के महामहोपाध्याय दिवंगत पंडित रेवा प्रसाद द्विवेदी के नाम पर दो स्कॉलरशिप होगी। संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के साहित्य विभाग में संस्कृत व्याकरण और संस्कृत साहित्य के मेधावी छात्र-छात्राओं को ये स्कॉलरशिप मिलेगी। इन दोनों स्कॉलरशिप का पूरा नाम है- सनातन कवि आचार्य रेवा प्रसाद द्विवेदी संस्कृत विद्या छात्रवृत्ति और आचार्य रेवा प्रसाद द्विवेदी संस्कृत साहित्य छात्रवृत्ति।

पं. रेवा प्रसाद 1960 से पहले बीएचयू के इमेरिटस प्रोफेसर के साथ ही यहां के छात्र भी रहे हैं। इन सभी 14 स्कॉलरशिप का प्रस्ताव एकेडमिक काउंसिल में आ



वाराणसी। बीएचयू में शुक्रवार को एकेडमिक काउंसिल की बैठक होगी। विज्ञान संस्थान के महामना सभागार में होने वाली बैठक में पीजी कोर्स के संचालन के साथ ही सेमेस्टर परीक्षा की समय सीमा सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी। कुलपति की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में कॉलेजों में हाल ही में नए कोर्स चलाने पर फैसले के बाद अंतिम मुहर लगने की संभावना है। ब्यूरो

संगीत में मिलेगी बेन्को-64 स्कॉलरशिप

भू-विज्ञान विभाग में नागेंद्र सिंह और लालझारी सिंह स्कॉलरशिप, जूलॉजी में सुरेंद्र सिंह और मोनका देवी स्कॉलरशिप, विज्ञान संस्थान में सीताराम आहुजा देवी स्कॉलरशिप, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय में सनातन कवि आचार्य रेवा प्रसाद द्विवेदी संस्कृत विद्या छात्रवृत्ति और आचार्य रेवा प्रसाद द्विवेदी संस्कृत साहित्य छात्रवृत्ति, प्लांट फिजियोलॉजी में सरस्वती एंड राम शिव स्कॉलरशिप और संगीत एवं मंच कला संकाय में बेन्को-64 स्कॉलरशिप दी जाएगी। इसी तरह मेडिसिन विभाग में गंगा सरन भगवती देवी व खंडेलवाल स्टूडेंट स्कॉलरशिप, ज्योतिष विभाग में पंडित राम व्यास व डॉ. निश्छल छात्रवृत्ति और संस्कृत विभाग में विश्वनाथ और मीरा भट्टाचार्य स्कॉलरशिप दी जाएगी।

सीएचएस में भी दो स्कॉलरशिप : सेंट्रल हिंदू गर्ल्स स्कूल में मेधावी छात्रा को बिमला श्रीवास्तव स्कॉलरशिप और सेंट्रल हिंदू बॉयज में मदन मोहन प्रसाद स्कॉलरशिप दी जाएगी।

चुका है। अगली बैठक में मुहर लगने के बाद अमल में लाया जाएगा।

आइओआइ योजना से 60 प्रतिशत बढ़ेगी जनशक्ति आवंटन सीमा IV

स्नातकों के लिए एसआर रंगनाथन इंटरशिप कार्यक्रम शुरू होगा

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू के अकादमिक काउंसिल की बैठक में कई बड़ी योजनाओं पर सहमति मिल सकती है। बैठक का एजेंडा के अनुसार इंस्टीट्यूट आफ एमिनेंस (आइओआइ) से जनशक्ति आवंटन पर 60 प्रतिशत सीमा बढ़ाई जाएगी, इसमें प्रोत्साहन अनुदान और ट्रांस-डिसिप्लिनरी रिसर्च शामिल हैं।

संकाय सदस्य अपने फंड का उपयोग कर सकेंगे। शीर्ष 100 एनआइआरएफ रैंक वाले संस्थानों व राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के स्नातकों के लिए एसआर रंगनाथन इंटरशिप कार्यक्रम शुरू होगा। विवि की वाह्य संचार और प्रचार गतिविधियों में सहयोग के लिए अंग्रेजी, हिंदी, दृश्य कला, पत्रकारिता, जनसंचार व कंप्यूटर अनुप्रयोग जैसे विविध क्षेत्रों से प्रशिक्षुओं को नियुक्त किया जाएगा। पुस्तकालय के लिए एसआर रंगनाथन इंटरशिप कार्यक्रम से करीब 30 प्रशिक्षुओं को मंजूरी मिल सकती है। पीएचडी छात्रों को डाक्टरल टीचिंग फेलो के रूप में शामिल करने और उन्हें मानदेय प्रदान करने के प्रस्ताव पर चर्चा होगी। एक सप्ताह में औसतन 12 घंटे योगदान देना होगा। उन्हें एक सेमेस्टर के दौरान पांच महीने के लिए नियुक्त किया जा सकता है। सभी स्ट्रीम के लिए नियुक्ति की शर्तें समान होंगी। संकाय सदस्य अनुसंधान मेंटरशिप अवसर

अकादमिक काउंसिल की बैठक आज

जासं, वाराणसी : बीएचयू के अकादमिक काउंसिल की बैठक शुक्रवार को होगी। कई सेंटर के लिए पीएचडी के नए पाठ्यक्रम शुरू करने पर सहमति बनने की उम्मीद है।

पिछली एकेडमिक काउंसिल में कालेजों के 18 से अधिक नए कोर्स का प्रस्ताव रखा गया था। हिंदू अध्ययन में पीएचडी कोर्स को भी अंतिम मंजूरी मिलेगी, इसे इस बार की पीएचडी बुलेटिन में भी शामिल किया जा सकता है। पीजी कोर्स की फीस में बदलावों को भी अनुमति दी जाएगी। बता दें कि कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन का कार्यकाल छह जनवरी को समाप्त हो

रहा है, ऐसे में यह बैठक काफी अहम मानी जा रही है। उनके फैसलों पर विवि की निगाह रहेगी। बीएचयू की परीक्षाओं की अवधि को नई शिक्षा नीति के अनुसार बदला जाएगा।

परीक्षा सुधार में पास और फेल के नियमों को भी बदला जाएगा। पिछली बैठक में 20 से ज्यादा सेंटरों में पीएचडी शुरू कराने के लिए प्रस्ताव रखा गया था। इस पर भी सहमति मिले।

वेदनरी एंड एनिमल साइंस में एम.वीएससी कोर्स के शुभारंभ पर अंतिम मुहर लगेगी। नई बौद्धिक संपदा नीति और टेक्नोलाजी ट्रांसफर की प्रक्रिया में हुए संशोधनों पर भी मुहर लगाई जाएगी।



कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। पीएचडी पर्यवेक्षक मेंटर नहीं हो सकते हैं और बाहरी फंडिंग एजेंसियों को अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत करने के बाद मेंटर को प्रतिदिन पांच हजार रुपये का मानदेय दिया जा सकता है।

स्वयं के संसाधनों का उपयोग करके जारी रखेंगे योजनाएं : आइओआइ योजना के पूरा होने के बाद विवि के स्वयं के संसाधनों का उपयोग करके योजनाओं को जारी

रखने के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। गवर्निंग बॉडी की बैठक में अध्यक्ष ने सदन से प्रत्येक योजना की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करने और उन पर अपनी राय देने का अनुरोध किया है, 31 योजनाओं में से 25 योजनाओं को विश्वविद्यालय द्वारा आइओआई योजना के पूरा होने के बाद (अर्थात् 31 मार्च, 2025) अपने स्वयं के संसाधनों का उपयोग करके जारी रखा जाएगा।

ऑटो में छूटा लैपटॉप पुलिस ने ढूंढकर सौंपा

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में बीटेक थर्ड ईयर के छात्र तनिष्क अग्रवाल का लैपटॉप दो दिन पहले बीएचयू के पास ऑटो में छूट गया था। तनिष्क ने लंका थाने में इसकी सूचना दी। लंका थानाध्यक्ष शिवाकांत मिश्र ने लैपटॉप खोजकर छात्र को सौंपा। संवाद 56

ऑटो में छूटा लैपटॉप पुलिस ने लौटाया २

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में ब्रिटेक थर्ड ईयर के छात्र तनिष्क अग्रवाल का लैपटॉप दो दिन पहले बीएचयू के पास ऑटो में छूट गया था। तनिष्क ने लंका थाने में इसकी सूचना दी। लंका थानाध्यक्ष ने लैपटॉप खोजकर छात्र को सौंपा।

लैपटॉप पाकर छात्र ने जताया पुलिस का आभार

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के छात्र जयपुर के किशनगंज निवासी तनिष्क अग्रवाल घर से लौट रहे थे। उनका लैपटॉप ऑटो में छूट गया। छात्र ने लंका थाने में गुहार लगाई। पुलिस ने ऑटो की पहचान कर लैपटॉप ढूँढ़ा और छात्र को सौंप दिया। इस पर तनिष्क ने पुलिस का आभार जताया। ५

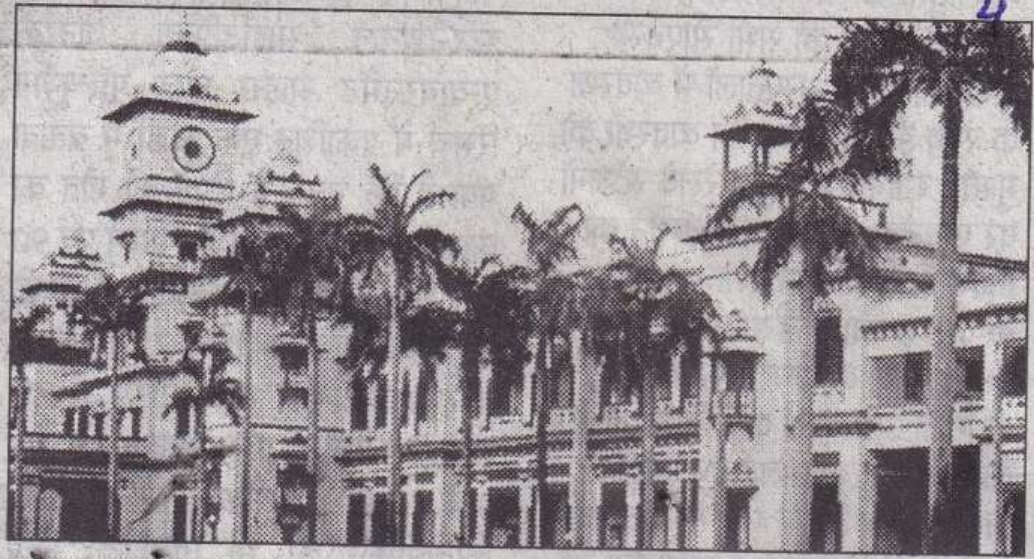
बीएचयू व आईआईटी मिलकर करेंगे काम

पहल

दोनों संस्थानों के तालमेल के लिए बनाई गई संयुक्त समिति, कुलपति व निदेशक भी होंगे सदस्य

वाराणसी। बीएचयू और आईआईटी बीएचयू के बीच तालमेल और नीतियों के निर्धारण के लिए संयुक्त समन्वय समिति का गठन किया गया है। दोनों संस्थानों के बीच जमीन, आवासीय सुविधा, साझा सेवाओं और आपसी हितों के मुद्दों की पहचान कर उसका हल निकालने के लिए ये समिति गठित की गई है। समिति दोनों संस्थानों के आपसी विवादों को भी निपटाएगी। समिति को दो भाग टियर-1 और टियर-2 में बांटा गया है। इस समिति में दोनों संस्थानों के कुलपति और निदेशक से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को सदस्य बनाया गया है।

टियर-1 में सात सदस्य होंगे।



425 एकड़ में है आईआईटी का कैंपस

बीएचयू कैंपस 1300 एकड़ में फैला हुआ है। इसमें 425 एकड़ में आईआईटी का कैंपस है। दोनों संस्थानों की साझी जमीन और विरासत है। ऐसे में कई बार विवाद की स्थितियां बनती हैं। ऐसा न हो इसलिए समन्वय के लिए संयुक्त समिति का गठन किया गया है।

बीएचयू की ओर से कुलपति, रेक्टर, रजिस्ट्रार और वित्ताधिकारी इसके सदस्य होंगे। वहीं, टियर-1 में आईआईटी के निदेशक, रजिस्ट्रार और एक चेयरपर्सन शामिल होंगे। टियर-2 में आठ सदस्य होंगे। इसमें बीएचयू से रेक्टर या कुलपति की ओर से नामित

प्रोफेसर, प्रोफेसर इंचार्ज (कैंपस डेवलपमेंट), एस्टेट ऑफिसर और वित्ताधिकारी होंगे। वहीं, आईआईटी से निदेशक की ओर से नामित चेयरपर्सन, सुप्रिटेंडिंग इंजीनियर, ज्वाइंट रजिस्ट्रार (अकाउंट) और डिप्टी रजिस्ट्रार (एस्टेट) इसके सदस्य होंगे।

बनारस के पक्षीराजन... जिनका इंतजार करते हैं सैकड़ों तोते

घर की छत-चहारदीवारी पर रोज लगता है तोते-कबूतरों, बुलबुल का जमघट

अमन विश्वकर्मा

वाराणसी। साल 2018 में आई फिल्म रोबो 2.0 के किरदार डॉ. रिचर्ड (अक्षय कुमार) एक पक्षी प्रेमी की भूमिका में थे जो आगे चलकर पक्षीराजन बन गए। पक्षियों से उनका लगाव ऐसा था कि उन्होंने मोबाइल टाबर्स की प्रेक्वेंसी कम करने के लिए एक अभियान छेड़ दिया। बनारस में भी ऐसे शख्स हैं, जो डॉ. रिचर्ड भी हैं और पक्षीराजन भी, इनका नाम है जयप्रकाश सिंह।



जयप्रकाश सिंह

पांडेयपुर स्थित जयप्रकाश के घर की छत पर हर सुबह सैकड़ों तोते और अन्य पक्षी दाना खाने आते हैं। वे हर दिन जयप्रकाश का इंतजार करते हैं। जिस दिन वह नहीं रहते, उनकी पत्नी सुशीला यह जिम्मेदारी संभालती हैं। कोरोना काल में इन तोतों की संख्या बढ़ गई थी।

साल 2000 से जयप्रकाश चिड़ियों को दाना खिलाते आ रहे हैं। हर सुबह वह अपनी छत पर दो किलो चावल फैला देते हैं। गिलहरियों के लिए दूध और रोटी भी रखी जाती है। बुलबुल भी आती हैं।

ऐसे मिली प्रेरणा



जयप्रकाश बताते हैं कि बाबा काशी विश्वनाथ और धूपचंडी के अर्घोव-अर्चनाएं प्रेरणास्रोत हैं। तीन बजे थोर में काशी विश्वनाथ का दर्शन कर घर आता हूँ। इसके बाद चिड़ियों के लिए दाना-पानी के इंतजाम में लग जाता हूँ।



सुर्ने वरिष्ठ जीवविज्ञानी की...

जयप्रकाश के घर की छत पर दाना चुगते तोते। अमर उजाला

बीएचयू के जीवविज्ञान विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. चंनू हलदर कहा कि ऐसे गांवसे अधिकतर राजस्थान में देखने को मिलते हैं। बनारस में पक्षियों को चारा देने वाले ज्यादा इकट्ठा होते हैं, जहां उनका ब्रीडिंग ग्राउंड होता है। उस स्थान पर अगर समय-समय पर पक्षियों को खाने-पीने की चीजें मिलती हैं तो उनकी संख्या में इजाफा भी होने लगता है। पशु-पक्षी अपने तरीके से सतर्क भी रहते हैं। जरा भी आहट हुई तो एक आवाज पर सभी भाग जाते हैं।

प्रेरणा का स्रोत है महामना का जीवन : डा. हरेंद्र



सेवाज्ञ संस्थानम की ओर से गोपी राधा बालिका इंटर कालेज में महामना महोत्सव 2024 के तहत आयोजित विशेष प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में शामिल छात्राएं • जागरण

जासं वाराणसी : सेवाज्ञ संस्थानम की ओर से महामना महोत्सव 2024 के अंतिम दिवस पर गुरुवार को गोपी राधा बालिका इंटर कालेज में एक विशेष प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के जीवन और उनके योगदान से संबंधित सवाल पूछे गए। इस समारोह का समापन चार जनवरी को बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में होगा, जिसमें

विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रमुख अतिथि शिक्षा सेवा चयन आयोग के सदस्य डा. हरेंद्र राय ने बताया कि महामना का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्रों को उनके आदर्शों और मूल्यों को अपनाने की दिशा में प्रेरित करती हैं। इस मौके पर प्रधानाचार्य नीति जायसवाल, विद्यालय के व्यवस्थापक अभिनव भट्ट आदि मौजूद थे।

IV

बीएचयू के संबद्ध कालेजों ^{IV} में बढ़ेंगे व्यावसायिक कोर्स

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू में परामर्श एवं मनोचिकित्सा में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा और टूर एवं यात्रा प्रबंधन, संचार अंग्रेजी, जोखिम एवं बीमा प्रबंधन और प्रयोजन मूल हिंदी पत्रकारिता पर व्यावसायिक पाठ्यक्रम की संख्या बढ़ाई जाएगी।

डीएवी पोस्ट ग्रेजुएट कालेज के प्राचार्य ने पिछले दिनों इसके लिए पत्र लिखा था। ऐसे में बैचलर ऑफ परफार्मिंग आर्ट्स (बीपीए), म्यूजिक इंस्ट्रूमेंटल (सितार) और बैचलर ऑफ परफार्मिंग आर्ट्स (बीपीए) वोकल म्यूजिक पर पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। वसंत कन्या महाविद्यालय में एमएमवी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय में बीएफए (पेंटिंग) शुरू किया जाएगा। डीएवी पीजी कालेज में कई पाठ्यक्रमों की प्रवेश क्षमता बढ़ाई जाएगी।

छात्र ही कर सकते हैं राष्ट्र निर्माण : रत्नाकर त्रिपाठी

जागरण संवाददाता, वाराणसी : राष्ट्र-निर्माण एक सतत प्रक्रिया है। शैक्षणिक संस्थान इसके शिल्पी होते हैं। युवा व छात्र ही राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पत्रकारिता संस्थान में गुरुवार को आयोजित 'समाज निर्माण में शैक्षणिक परिसरों की भूमिका' विषयक परिचर्चा व संवाद में ये बातें मुख्य अतिथि बीएचयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष व समाजसेवी रत्नाकर त्रिपाठी ने कही।

महाराणा प्रताप युवा मंडल व नमस्कार फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान आयोजित परिचर्चा में उन्होंने राष्ट्र निर्माण में शैक्षणिक परिसरों के महत्व को रेखांकित किया। बीएचयू का उदाहरण देते हुए कहा कि



समाजसेवी रत्नाकर त्रिपाठी को सम्मानित करते संस्थान के निदेशक डा. नागेंद्र सिंह व नमस्कार संस्था के प्रतिनिधि • जागरण बीएचयू की स्थापना आजादी के तीन दशक पहले हुई थी। शिक्षा का प्रचार-प्रसार करने के साथ ही बीएचयू स्वतंत्रता प्राप्ति तक राष्ट्र-विश्वकर्माओं की एक बड़ी सेना भी

- काशी विद्यापीठ में 'समाज निर्माण में शैक्षणिक परिसरों की भूमिका' विषयक परिचर्चा व संवाद
- स्वतंत्रता आंदोलन में शैक्षिक संस्थानों की रही महत्वपूर्ण भूमिका : डा. नागेंद्र कुमार सिंह

तैयार करता रहा।

शैक्षणिक संस्थाओं के योगदान से ही भारतीयों के लिए भारतीयों के द्वारा नए भारत की स्थापना हो सकी। विश्व-भारती के सूत्र-वाक्य यत्र विश्वम भवन्ति एक नीड़म और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के यावत्यः शाखाः तावन्तो वृक्षाः का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षण-

संस्थान ही राष्ट्र की निर्मिति के पुरोधा हैं। अध्यक्षता करते हुए पत्रकारिता संस्थान के निदेशक डा. नागेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि युवाओं को शिव प्रसाद गुप्त के योगदान को नहीं भूलना चाहिए और नए भारत के निर्माण में उनके योगदान को स्थापित करना चाहिए।

विषय स्थापना नमस्कार फाउंडेशन के सचिव उत्कर्ष मिश्र ने किया। महाराणा प्रताप युवा मंडल राजस्थान के अध्यक्ष मयंक, डा. वशिष्ठ नारायण सिंह, डा. संतोष कुमार मिश्र, रामात्मा श्रीवास्तव, डा. जिनेश कुमार, डा. शिव यादव, डा. चन्द्रशील पांडेय, देवेन्द्र गिरि, रवि, किशन, संतोष, निधि, विशाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बीच वॉलीबॉल में खेलेंगे मिर्जापुर के अभय और चंदौली के आशुतोष

उत्तराखंड में प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता
के लिए बीएचयू में हुआ चयन ट्रायल 5V



वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ी। संवाद

वाराणसी। उत्तराखंड में प्रस्तावित राष्ट्रीय खेलों में बीच वॉलीबॉल प्रतियोगिता खेली जाएगी। इसमें खेलने वाली यूपी टीम का चयन ट्रायल बृहस्पतिवार को बीएचयू के एंफीथिएटर कोर्ट पर हुआ। ट्रायल में शामिल 16 में से दो खिलाड़ियों का चयन यूपी टीम में हुआ है। दोनों के पिता पुलिस विभाग में बतौर वॉलीबॉल खिलाड़ी कार्यरत हैं। चयन समिति के सदस्य और कोच डॉ रॉबिन सिंह ने बताया कि चयन ट्रायल यूपी ओलंपिक संघ और यूपी वॉलीबॉल एसोसिएशन की ओर से संयुक्त रूप से हुआ। यूपी टीम में मिर्जापुर निवासी अभय तिवारी और चंदौली निवासी आशुतोष यादव का चयन हुआ है जबकि एक्स्ट्रा खिलाड़ी के रूप में अमन तिवारी का चयन हुआ है। इस मौके पर चयन समिति के अध्यक्ष डॉ. विद्यासागर सिंह के अलावा जिला वॉलीबॉल संघ के सचिव सर्वेश पांडेय, जिला ओलंपिक संघ के सचिव शम्स तबरेज शंपू बतौर चयन समिति के सदस्य मौजूद रहे। संवाद

बीएचयू के छात्रों पर हुई कार्रवाई के विरोध में होगा चरणबद्ध आंदोलन 54

वाराणसी। बीएचयू में भगत सिंह छात्र मोर्चा से जुड़े 13 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर जेल भेजने के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन चलाने का निर्णय लिया गया है। भारत माता मंदिर परिसर में बृहस्पतिवार को हुई बैठक में सामाजिक कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया।

प्रवाल कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में बीएचयू चीफ प्रॉक्टर प्रो. शिवप्रकाश सिंह के इस्तीफे की मांग की गई। फैसला हुआ कि 3 जनवरी

को प्रतिनिधि मंडल पुलिस कमिश्नर और जिलाधिकारी से मुलाकात कर जांच की मांग करेगा। इसके बाद चार जनवरी को शास्त्री घाट पर प्रतिवाद मार्च करते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

आठ जनवरी को सर्वदलीय बैठक होगी। बैठक में अफलातून, राजेंद्र चौधरी, पूर्व प्रोफेसर महेश विक्रम, फादर आनंद, रामजनम, रवि शेखर और सतीश सिंह, आकांक्षा आजाद समेत कई लोग मौजूद रहे। ब्यूरो

बीएचयू में छात्रों पर कार्रवाई के विरोध में होगा चरणबद्ध आंदोलन

2

वाराणसी। बीएचयू में भगत सिंह छात्र मोर्चा से जुड़े 13 कार्यकर्ताओं को मनुस्मृति पर चर्चा के दौरान गिरफ्तार कर जेल भेजने के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन का निर्णय लिया गया है। भारत माता मंदिर परिसर में बृहस्पतिवार को हुई बैठक में सामाजिक कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। प्रवाल कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में बीएचयू चीफ प्रॉक्टर प्रो. शिवप्रकाश सिंह के इस्तीफे की मांग की गई। फैसला हुआ कि 3 जनवरी को प्रतिनिधि मंडल पुलिस कमिश्नर और जिलाधिकारी से मुलाकात कर जांच की मांग करेगा। इसके बाद 4 जनवरी को शास्त्री घाट पर प्रतिवाद मार्च करते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। 8 जनवरी को सर्वदलीय बैठक होगी।

एमपीयूएटी के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी सिंह का निधन

जासं, वाराणसी : बीएचयू के कृषि एमपीयूएटी उदयपुर के कुलपति एवं विज्ञान संस्थान के वरिष्ठ आचार्य व डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजेश सिंह के पिता प्रो. आरपी सिंह का मंगलवार को लखनऊ में देहांत हो गया। प्रो. आरपी सिंह



प्रो. आरपी सिंह

एएनडीयूएटी कुमारगंज फैजाबाद के उप कुलपति भी रहे चुके थे। उनका अंतिम संस्कार वैकुंठ नदी के घाट पर हुआ। वह जौनपुर के चंदवक के निवासी थे। मुखाग्नि उनके पुत्र प्रो. राजेश सिंह ने दी।

मनुस्मृति मामले में छात्रों को जेल भेजने का विरोध



वाराणसी। भगत सिंह छात्र मोर्चा, कम्युनिस्ट फ्रंट की ओर से गुरुवार को भारत माता मंदिर परिसर में बैठक की। इसमें पिछले दिनों बीएचयू में मनुस्मृति पर चर्चा करने वाले छात्रों को जेल भेजने पर चिंता जताई गई। वक्ताओं ने पुलिस पर फर्जी और मनगढ़ंत मुकदमा दर्ज करने का आरोप लगाया। बीएचयू के चीफ प्रॉक्टर के इस्तीफे की मांग की। इस दौरान अफलातून, राजेंद्र चौधरी, प्रो. महेश विक्रम, फादर आनंद, रामजनम, रवि शेखर, सतीश सिंह, शहजादी बानो, मनीष शर्मा आदि ने विचार रखे।

तीन करोड़ की टगी में गेटमैन समेत दो धरे

शिकंजा

सारनाथ, संवाददाता। बीएचयू समेत अन्य विभागों में नौकरी दिलाने, शेयर बाजार में निवेश और जमीन में निवेश के बाद हर महीने मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर कई लोगों से 3 करोड़ की टगी में सारनाथ पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक रेलवे का गेटमैन है।

सारनाथ पुलिस ने शक्तिपीठ कॉलोनी (बरईपुर) निवासी चंद्रमणि कुशवाहा, मवईया के सिद्धि रेजीडेंसी अपार्टमेंट निवासी अवधेश कुमार को गिरफ्तार किया। सारनाथ थाने में दोनों आरोपियों से डीसीपी वरुणा चंद्रकांत मीणा और एसीपी सारनाथ डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी ने गहन पूछताछ की। चंद्रमणि सेना से रिटायर है। इसके बाद वह पूर्वोत्तर रेलवे में गेटमैन के पद पर तैनात था।



गिरफ्तार चंद्रमणि कुशवाहा और अवधेश कुमार।

28 व्यक्तियों को एजेंट रखा

शातिरों ने आसानी से लोगों को शिकार बनाने के लिए बाकायदे कमीशन पर 28 युवकों को एजेंट के तौर पर रखा था। ये एजेंट सेवानिवृत्त व्यक्तियों को से पैसे के निवेश की बात करते थे।

गिरफ्तारी की सूचना पर जुटे पीड़ित

रिटायर लोगों को बनाते थे शिकार : ग्लोबल मार्केटिंग, जमीन दिलाने एवं प्लानिंग में पैसा लगाकर

34 लोगों के साथ टगी की बात सामने आई

नौकरी के नाम पर झांसे में हुआ केस

शक्तिपीठ कॉलोनी निवासी केशव गोंड ने अक्टूबर में सारनाथ थाने में केस दर्ज कराया था। बताया कि चंद्रमणि कुशवाहा मोहल्ले में रहता है। उसने बताया कि वह केशव के बेटे सुमित की नौकरी बीएचयू

30 लाख पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर से भी टगे थे

में लगवा देगा। इसके लिए 3 लाख रुपये अवधेश कुमार को दिलवाये। अवधेश को बेटे की शैक्षणिक प्रमाणपत्र और जन्म, निवास प्रमाणपत्र आदि भी दिया। बाद में न नौकरी लगी, ना ही रुपये लौटाए।

दोनों टगों के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही पीड़ित लोग थाने में जुटने लगे। बरईपुर निवासी हीरालाल, हरि प्रसाद, जनरल स्टोर संचालक अशोक विहार कॉलोनी (पहाड़िया) निवासी अलताफ अहमद, आशापुर के राजनाथ यादव ने पुलिस को बताया कि अलग-अलग कामों के लिए इन टगों ने रुपये लेकर न काम किया और न रुपये लौटाए। पुलिस के पास 34 लोग पहुंचे, जिनसे कुल 3 करोड़ की टगी हुई है।

कमाने के लिए अवधेश कुमार सरकारी विभाग से रिटायर व्यक्तियों को ही निशाना बनाता था। ज्यादा पैसा

कमाने का लालच देकर रिटायरमेंट का सारा पैसा ले लेता था। कुछ किस्त देने के बाद पैसे देना बंद कर देते।